हिंदी भवन संदेश

(हिंदी प्रचारिणी सभा का सूचना-पत्र)
लोंग माउंटेन – मॉरीशस
Website : hindipracharinisabha.com
E.Mail: hindipracharinisabhamu@gmail.com

NEWSLETTER

भाषा गई तो संस्कृति गई

YEAR: 15 ISSUE: 34 January 2022 *Published by: Hindi Pracharini Sabha - Long Mountain, Mauritius* ISSN 1694-3481

✍ संपादकीय

"विनाश काले विपरीत बुद्धि"

जब आदमी की बुद्धि घास चरने चली जाती है तो उसकी हरकत पर यह लोकोक्ति सही साबित होती है । ज़बान संभालकर बात न करने से विनाश ही होता है और इतिहास साक्षी है । आधुनिक हिंदी साहित्य में निबंध-विधा के प्रवर्तक श्रेष्ठ निबंधकार बालकृष्ण भट्ट द्वारा रचित निबंध 'ज़बान' आज भी उतना ही प्रासंगिक, नीतिपरक और संदेशपरक है। उपभोक्तावाद के दौर में मानव जीवन , संघर्षों , द्वेष , क्लेश , स्वार्थ, लालच , धोखा , शोषण आदि से भरा हुआ है । ऐसे में, मानव की जीभ उसके लिए कितनी उपयोगी और हितकारी हो सकती है तथा जबान पर संयम रखकर कैसे मनुष्य इन विपरीत परिस्थितियों को अपने अनुकूल बना सकता है । यह निबंध इन बातों पर खरा उतरता है । लेखक ने 'ज़बान' कहानी में द्रौपदी द्वारा दुर्योधन का परिहास व अपमान का परिणाम महाभारत का युद्ध होना बताया है । सभा-समाज में बोलने से पूर्व सोच-विचार कर ही बोलना चाहिए, अन्यथा इसका परिणाम बुरा ही होता है । इसमें सभा-समाज का नुकसान तो होता ही है, उस बोलनेवाले का तथा उसके साथ-साथ सभा के भी मान-सम्मान को क्षति पहुँचती है । इसलिए मर्यादा में रहकर ही बोलें । हमारे बुज़ूर्ग हमेशा कहते आए हैं कि हमें ज़बान को लगाम देना चाहिए । लोग जोश में होश खो बैठते हैं और विनाश का कारण बन जाते हैं। पर्वत पर चढ़ने के लिए बहुत समय लग जाता है और बहुत परिश्रम भी करना पड़ता है, पर एक छोटी-सी गलती से आदमी क्षण भर में अपने को नुकसान पहुँचाता हुआ नीचे गिर जाता है । जीवन भर की कमाई हुई इज़्ज़त पल भर में मिट्टी में मिल जाती है । तब व्यक्ति को एहसास होता है कि उसने क्या किया है । इसलिए सभा-समाज में मान-मर्यादा को ध्यान में रखकर ही बोलें, इसी में सबकी भलाई है, सबका कल्याण है।

यंतुदेव बुधु
प्रधान-हिंदी प्रचारिणी सभा

'छाता' बनाम 'दीया'

हिंदी प्रचारिणी सभा के इतिहास में 27 फरवरी 2021 की तिथि स्वर्णाक्षरों में लिखी जाएगी । उस दिन सभा की धारा 8: 2: ब के अंतर्गत एक विशेष वृहद अधिवेशन का आयोजन किया गया था।कार्य-सूची का मात्र विषय तत्कालीन कार्यकारिणी समिति के नाम एक अविश्वास प्रस्ताव था । अपेक्षित संख्या में उपस्थित सदस्यों ने बिना आपत्ति के उस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया ।

28 फरवरी 2021 को सभा को चलाने के लिए एक परिचारक समिति का गठन हुआ । 28 अगस्त 2021 को एक वृहद अधिवेशन के दौरान 27 फरवरी 2021 में लिए गए प्रस्ताव का अनुसमर्थन भी किया गया । हिंदी प्रचारिणी सभा की प्रबंध समिति ने परिचारक समिति को सभा का बागडोर सौंपने के बजाय बारम्बार कानून का सहारा लिया । हर बार उसे मुँह की खानी पड़ी पर सभा न त्यागने पर अड़ी रही। वह चाल पे चाल चलती रही; कभी असंवैधानिक तरीके से नए सदस्यों की भरती करके तो कभी अपने विश्वसनीय सलाहकार के मायाजाल में उलझकर । परिचारक समिति ईंट का जवाब पत्थर से देती रही ।

आखिरकार चुनाव आयोग द्वारा 25 नवंबर 2021 को उम्मीदवारों का नामांकन हुआ । बारह-बारह सदस्यों के दो दल बने । 'छाता'ने जहाँ बड़ी आसानी से अपने बारह उम्मीदवारों की नामज़दगी की वहीं 'दीया' दल को अंतिम घड़ी तक उम्मीदवारों का चयन कर पाना टेढ़ी खीर-सी प्रतीत हो रहा था । जैसे-तैसे उनका दल बन पाया ।

.....पृष्ठ 3 पर

कोरोना महामारी और परीक्षाएँ

कोरोना महामारी से आज पूरा विश्व जूझ रहा है । इस अदृश्य बीमारी ने आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, पारिवारिक आदि क्षेत्रों को प्रभावित किया है । पिछले दो साल से कोरोना ने हमारे जीवन को उदासी और अवसाद से भर दिया है । कोरोना ने हमें किसी को मुँह दिखाने के काबिल नहीं छोड़ा, इसीलिए हमें मुँह छिपाकर घर से निकलना पड़ रहा है। कोरोना जैसी जानलेवा बीमारी से अपने को सुरक्षित रखने के लिए हमें सरकार और डॉक्टर की बात पर ध्यान देना है । अतः मास्क लगाना, बार-बार हाथ धोना और बात करते समय दूरी बनाए रखना, इन सब बातों पर अमल करना आवश्यक है । इससे कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने में रोक लगा सकेंगे ।

हिंदी प्रचारिणी सभा की ओर से आयोजित होनेवाली प्राथमिक एवं माध्यमिक परीक्षाओं पर भी पाबंदी लगानी पड़ी । शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के चलते परीक्षाएँ स्थगित हुईं । स्थिति सामान्य पर आते ही सभा की ओर से शिक्षकों तथा छात्रों को सूचित किया जाएगा । सम्मेलन की परीक्षाओं को लेकर हम भी चिंतित हैं क्योंकि वर्ष 2020 और 2021 की परीक्षाएँ कोरोना महामारी के कारण नहीं हो पाईं । आप लोगों को इस बात की जानकारी तो है ही कि कोरोना के चलते भारत देश की स्थिति कैसी है, और हमारी माध्यमिक कक्षाओं की परीक्षाएँ भारत के प्रयागराज (इलाहाबाद) शहर के हिंदी साहित्य सम्मेलन के सौजन्य से होती हैं । इस महामारी से वहाँ की संस्था भी काफ़ी दिनों तक बंद पड़ी रही और परीक्षा से संबंधित कार्यों में व्यवधान पैदा हुआ।

कोरोना के कारण शिक्षण के क्षेत्र में एक नयापन आया । ऑन-लाइन पठन-पाठन की शुरुआत हुई । यह भले ही एक मजबूरी रही होगी पर इससे छात्रों व शिक्षकों को भी लाभ हुआ है । छात्र शिक्षा से वंचित नहीं रहे और कई शिक्षकों को एक नई पद्धति सीखने का अवसर प्राप्त हुआ, जिससे छात्र और शिक्षक भी लाभांवित हुए।

हम यही कामना करते हैं कि कोरोना के संक्रमण को रोकने में सफल होंगे और हमारी दिनचर्या पहले की तरह सामान्य पर लौट आएगी ।

हर वर्ष 10 जनवरी को पूरे विश्व में हिंदी दिवस मनाया जाता है । मॉरीशस में भी विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा हिंदी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया । मुख्य अतिथि के रूप में उपप्रधान मंत्री,शिक्षा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री माननीया श्रीमती लीला देवी दुखन लछुमन तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे । मंत्री महोदया ने बताया कि हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए उनके मंत्रालय की ओर से ठोस काम किए जा रहे हैं । भारतीय उच्चायुक्त महामहिम श्रीमती

नंदिनी सिंघला ने इस अवसर पर भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संदेश पढ़ा । उन्होंने हिंदी सीखने व सिखाने के बारे में फिल्मों और गीतों से उदाहरण देकर पाठ याद करने की एक अलग विधि का ज़िक्र किया ।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई । कई प्रस्तुतियाँ हुईं, जिनमें प्रार्थना, गीत, कविताएँ, नाटक तथा भाषण हुए, जिनका आनंद उपस्थित लोगों ने लिया । हिंदी दिवस का यह कार्यक्रम स्वास्थ्य-सुरक्षा के नियमों का पालन करते हुए सम्पन्न हुआ । मंच-संचालन विश्व हिंदी सचिवालय की सचिव डॉ. श्रीमती माधुरी रामधारी जी कर रही थीं ।

ज्ञान धर्म से उत्तम होता है क्योंकि धन की तुम्हें रक्षा करनी पड़ती है, पर ज्ञान तुम्हारी रक्षा करता है ।

- गौतम बुद्ध

इतिहास के पन्नों से .....

श्री बृजलाल धनपत का जन्म 23 जून 1912 में ले मारियान में हुआ था । बाद में वे काँ फूकरोह रहने चले गए । इनकी पत्नी का नाम कोशिला रामनंदन था। इनकी पाँच संतानें थीं, चार लड़के और एक लड़की । धनपत जी हिंदी प्रचारिणी सभा के संस्थापकों में से थे तथा 'दुर्गा' हस्तलिखित पत्रिका के लेखक थे और व्यास नाम से लिखते थे । इनकी लिखी कहानी "हम कैसे हैं" 'दुर्गा' पत्रिका के प्रथम अंक में प्राप्य है । हिंदी भाषा को लेकर वे कई बार पुरस्कृत प्राप्त हुए हैं ।

1935 में हिंदी प्रचारिणी सभा के पंजीकरण के बाद वे सभा के प्रथम पड़तालक बने । वे हिंदी सेवा में कार्यरत रहे । वे हिंदी प्रचारिणी सभा के मान्य प्रधान भी रहे हैं । सभा के उत्सवों में लोग उनकी उपस्थिति से प्रेरित होते थे । इनकी लम्बी हिंदी सेवा के लिए मॉरीशस में आयोजित 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन में इन्हें सम्मानित होना था, पर दुर्भाग्यवश सम्मेलन से डेढ़ माह पूर्व धनपत जी 106 की उम्र में स्वर्ग

सिधार गए । यह सुनकर हम सभी शोकाकुल हुए । पूर्व भारतीय उच्चायुक्त महामहिम श्री अभय ठाकुर तथा उच्चायोग की द्वितीय सचिव डॉ श्रीमती नूतन पांडे श्रद्धांजलि पेश करने उनके निवास स्थान पहुँचीं ।

इससे कुछ महीने पहले डॉ श्रीमती नूतन पांडे ने उनके निवास पर ही उनका साक्षात्कार किया था, जिसका ज़िक्र अपनी पुस्तक "नींव से निर्माण तक" में किया है । श्री बृजलाल धनपत जैसे कर्मठ हिंदी सेवक आज भी हमारे दिलों में घर किए हुए हैं । हमारे लिए वे प्रेरणा के स्त्रोत हैं ।

प्रथम पृष्ठ से .....

11 दिसंबर 2021 को बारह से दो बजे तक मात्र अनुवर्ती सदस्यों को मत देने का अधिकार था । कोविड महामारी के कारण सख्त नियमों का पालन करते हुए 118 में से 108 मतदाताओं ने मत दिए। साढ़े तीन बजे आयोग द्वारा चुनाव संबंधी परिणाम की घोषणा की गई । 'छाता' दल के सभी उम्मीदवारों की जीत हुई । 'दीया' दल ने निरपेक्ष भाव से अपनी पराजय स्वीकार की ।

श्री यंतुदेव बुधु ने धन्यवाद ज्ञापन के दौरान पराजित दल को हिम्मत से स्थिति का सामना करने की सलाह दी; फिर चुनाव आयोग की, उनके अच्छे कार्यों के लिए सराहना की । अन्ततः उन्होंने निर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए, उनके सहयोग से हिंदी भाषा तथा हिंदी प्रचारिणी सभा के हित में कार्य करने का संकल्प किया ।

चुनाव का परिणाम

	नाम		*मत*	*प्रतिशत*
1.	श्री अजोध्या	द्रविंद्र कुमार	61	56.4
2.	श्री बिहारी	परमेश्वर	60	55.5
3.	श्रीमती बुबन	चन्द्रज्योति	55	50.9
4.	श्री बुधु	यंतुदेव	57	52.7
5.	डॉ. लालबिहारी	जयचन्द	70	64.8
6.	श्रीमती मोतादिन	राजवंती	56	51.8
7.	श्रीमती रामरूप	रोहिणी	72	66.6
8.	श्री रामशरण	श्रद्धानंद	62	57.4
9.	श्रीमती सिरतन	तुमावती	61	56.4
10.	डॉ. सुन्दर	हेमराज	59	54.6
11.	श्री श्रीकिसुन	मोहन	66	61.1
12.	श्रीमती तिलक	बिदवंती	59	54.6

⇒ मतदाता 118
⇒ मतदान 108
⇒ प्रतिशत 91.5

विवरण - श्री मोहन श्रीकिसुन

हिंदी प्रचारिणी सभा के वर्तमान कार्यकारिणी समिति के सदस्य (2021-2024)

बाईं ओर से बैठे हुए – श्री बुधु यंतुदेव, डॉ. लालबिहारी जयचन्द, श्रीमती रामरूप रोहिणी , श्रीमती तिलक बिदवंती, श्रीमती बुबन चन्द्रज्योति, श्री अजोध्या द्रविंद्र कुमार ।

बाईं ओर से खड़े हुए – डॉ. सुन्दर हेमराज, श्री बिहारी परमेश्वर , श्रीमती सिरतन तुमावती, श्री श्रीकिसुन मोहन, श्री रामशरण श्रद्धानंद , श्रीमती राजवंती मोतादीन ।

हिंदी प्रचारिणी सभा के प्रथम कार्यकारिणी समिति वर्ष 1935 के सदस्य :–

1. पं. बोलोराम मुक्ताराम चटर्जी (प्रधान)
2. श्री रामलाल मंगर (मंत्री)
3. श्री रघुनन्दन रामरतन
4. श्री सुरुज प्रसाद मंगर
5. श्री महावीर फागु
6. श्री रामगुण जिबसिया
7. श्री अनिरूद्ध द्वारका
8. श्री शिव प्रसाद जीवलाल
9. श्री शिव शंकर सिंह घूरन
10. श्री गरीबनवाज़ सितोहल
11. श्री गिरिराज बखोरी
12. श्री जानकी प्रसाद लालमन
13. श्री बृजलाल धनपत
14. श्री गणेश रामफल
15. श्री नन्केश्वर मनबहाल
16. श्री रामसुंदर चमन

Email : hindipracharinisabhamu@gmail.com
Website: hindipracharinisabha.com
Tel / Fax : 2452112

Office working hours:
Weekdays :9.00 to 15.00
Saturdays: 9.00 to 13.00
Sundays & Public Holidays - Closed

All correspondence should be addressed to:
Secretary,
Mrs. Rohinee Ramroop
Hindi Pracharini Sabha
Hindi Bhawan
Valton, Long Mountain.

कार्यकारिणी समिति की ओर से सभी संस्थाओं, हिंदी प्रेमियों, शिक्षकों तथा छात्र-छात्राओं को नूतन वर्ष 2022 की हार्दिक शुभकामनाएँ ।